ओ एस डी ए वी पब्लिक स्कूल,कैथल
मई 2024
विषय: हिंदी
कक्षा : 11वीं

M.M 30

| प्रश्न | अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु | अंक |
|---|---|---|
| 1 | 1 ग) सामाजिक संक्रमण और शिक्षक का दायित्व<br>ii ख) एकाकीपन की समस्या<br>iii घ ) विकल्प क और ख<br>iv क) क्योंकि आज परिवार का विघटन हो चुका है<br>v क) उचित अनुचित नीति अनीति का भान नहीं हो रहा है। | 1*6 |
| 2 | i ख) कवि की अभिलाषा<br>iiग) प्रेम भाव<br>iii घ) विकल्प क तथा ख | 1*3 |
| 3 | । नमक का दारोगा ,मुंशी प्रेमचंद<br>ii मुंशी वंशीधर को न्याय अपनी ओर से कुछ खिंचा हुआ दिख पड़ता था।<br>iii न्याय के दरबार में पक्षपात हो रहा था।<br>iv पंडित अलोपीदीन को बेगुनाह सिद्ध कर दिया गया। | 1*4 |
| 4 | i कबीर ने ईश्वर के एक ही स्वरूप को जाना है।<br>ii कबीर के अनुसार ईश्वर सृष्टि के कण-कण में विद्यमान है<br>iii मानव शरीर का निर्माण आकाश, वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी -इन पांच तत्वों से हुआ है।<br>iv प्रस्तुत पद्यांश से हमें यह संदेश मिलता है कि ईश्वर एक है ।हमें उसे धर्म के आधार पर बांटना नहीं चाहिए।<br>iv कबीर ने कुम्हार को ईश्वर का प्रतीक माना है। | 2*5 |
| 5 | । इस पाठ के माध्यम से संदेश दिया गया है कि जीवन में सत्य और ईमानदारी का महत्व किसी भी स्थिति में कम नहीं होता। जीवन में कष्ट आते हैं लेकिन मानव मन में विद्यमान सत्य की दीप्ति इंसान को सदा राह दिखाती है और उसे बुराइयों से दूर रखती है। जीवन में सभी को कष्टों का सामना करना ही पड़ता है लेकिन सत्य और धर्म निष्ठा के पद पर आगे बढ़ने वाला सदा सफल होता है।<br>ii मुंशी वंशीधर के पिता द्वारा अपनी पुत्री के लिए प्रयुक्त यह वाक्य परिवार में उनकी अवहेलित स्थिति को प्रकट करता है। जिस प्रकार घास फूस की वृद्धि और सुरक्षा की कोई परवाह नहीं करता उसे खाद पानी देने की कोई आवश्यकता कभी अनुभव नहीं की जाती है पर वह फिर भी बढ़ता ही जाता है। इसी प्रकार परिवार में लड़कियां भी अवहेलित रहकर युवावस्था की ओर तेजी से बढ़ती जाती हैं।<br>iii लेखिका ने मियाँ नसीरुद्दीन को नानबाइयों का मसीहा इसलिए कहा है क्योंकि वे स्वयं को खानदानी नानबाई कहते हैं ।वे अन्य नानबाइयों के मुकाबले में स्वयं को श्रेष्ठ मानते हैं क्योंकि | 1*4 |

| | | |
|---|---|---|
| | उन्होंने नानबाई का प्रशिक्षण अपने परिवार की परंपरा से प्राप्त किया है। मियां नसीरुद्दीन 56 प्रकार की रोटियां बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं।<br>iv मियां नसीरुद्दीन 70 वर्ष के हैं ।वे चारपाई पर बैठे हुए बीड़ी का मजा लेते रहते हैं। मौसम की मार से उनका चेहरा पक गया है ।उनकी आंखों में चतुराई और पेशानी पर मंजे हुए कारीगर तेवर हैं। वे पांच हजारी अंदाज में सर हिलाकर बात करते हैं ।अखबार वाले उन्हें निठल्ले लगते हैं ।वे 56 प्रकार की रोटियां बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं।<br>iv नान बाई उसे व्यक्ति को कहते हैं जो अनेक प्रकार की रोटियां बनाने और बेचने का कार्य करता है यहां मियां नसीरुद्दीन नमक खानदानी नान बाई का वर्णन किया जा रहा है।<br>v मीरा जगत के स्वार्थी स्वरूप को देखकर रो पड़ती है ।वह कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम रखती है।मीरा को संतों का संग अच्छा लगता है। वह कृष्ण भक्ति में लीन रहना चाहती हैं पर संसार के लोग उन्हें  यातनाएं देते हैं ।इसी कारण मीरा जगत को देखकर रोती है परंतु कृष्ण भक्ति में प्रेम आनंद का अनुभव करती है। | |
| | | 5 |
| | | |

**OSDAV Public School, Kaithal**
**First Unit Test (May,2024)**
**Class : XI**
**Subject : Hindi**

**SET-**

- **Time: 1 hr** **M.M. : 30**

**General Instructions:-**

I. **All questions are compulsory.**

| Q.No. | Questions | Marks |
|---|---|---|
| 1 | **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए -**<br>वर्तमान समाज में नैतिक मूल्यों का विघटन चहुँ ओर दिखाई दे रहा है। विलास और भौतिकता के मद में भ्रांत लोग बेतहाशा धनोपार्जन की अंधी दौड़ में शामिल हो गए हैं। आज का मानव स्वार्थपरता में इस तरह आकंठ डूब चुका है कि उसे उचित-अनुचित नीति अनीति का भान नहीं हो रहा है। व्यक्ति विशेष की निजी स्वार्थपूर्ति से समाज का कितना अहित हो रहा है. इसका शायद किसी को आभास नहीं है। आज के अभिभावक भी धनोपार्जन एवं भौतिकता के साधन जुटाने में इतने लीन हैं कि उनके वात्सल्य का स्रोत ही उनके लाड़लों के लिए सूख गया है। उनकी इस उदासीनता ने मासूम दिलों को गहरे तक चीर दिया है। आज का बालक अपने एकाकीपन की भरपाई या तो घर में दूरदर्शन केबिल से प्रसारित अश्लील फूहड़ कार्यक्रमों से करता है अथवा कुसंगति में पड़कर जीवन का नाश करता है। समाज के इस संक्राति काल में छात्र किन जीवन मूल्यों को सीख पाएगा, यह कहना नितांत कठिन है।<br>जब-जब समाज पथभ्रष्ट हुआ है, तब-तब युग सर्जक की भूमिका का निर्वाह शिक्षकों ने बखूबी किया है। आज की दशा में भी जीवन मूल्यों की रक्षा का गुरुतर दायित्व शिक्षक पर ही आ जाता है। वर्तमान स्थिति में जीवन मूल्यों के संस्थापन का भार शिक्षकों के ऊपर है, क्योंकि आज का परिवार बालक के लिए सद्गुणों की पाठशाला जैसी संस्था नहीं रह गया है जहाँ से बालक एक संतुलित व्यक्तित्व की शिक्षा पा सके। शिक्षक विद्यालय परिसर में छात्र के लिए आदर्श होता है।<br>**(i) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक चुनिए-**<br>(क) संतुलित व्यक्तित्व<br>(ख) सद्गुणों की पाठशाला<br>(ग) सामाजिक संक्रमण और शिक्षक का दायित्व<br>(घ) धनोपार्जन की अंधी दौड़<br>**(ii)आज के समाज में बालकों के सामने क्या समस्या है?**<br>(क) सामूहिकता की समस्या<br>(ख) एकाकीपन की समस्या<br>(ग) खेलने की समस्या<br>(घ) धनोपार्जन की समस्या<br>**(iii)बालकों में एकाकीपन की समस्या का कारण क्या है?**<br>(क) माता-पिता द्वारा पूरा समय धन कमाने में लगाना<br>(ख) स्नेहपूर्ण व्यवहार करने के लिए माता-पिता के पास समय का अभाव<br>(ग) खेलने की परिस्थितियाँ पैदा न करना<br>(घ) विकल्प (क) और (ख)<br>**(iv) आज परिवार को बालक के लिए पहली पाठशाला क्यों नहीं माना जा सकता?**<br>(क) क्योंकि आज परिवार का विघटन हो चुका है।<br>(ख) क्योंकि बच्चों के माता-पिता के पास उनके साथ रहने का पर्याप्त समय है।<br>(ग) क्योंकि आज एकल परिवार समाप्त हो रहा है।<br>(घ) क्योंकि आज अभिभावक अपने बच्चों के प्रति पूर्ण जागरूक हैं।<br>**(v) जब-जब समाज पथभ्रष्ट हुआ है, तब-तब युग सर्जक की भूमिका का निर्वाह किसने बखूबी किया है?**<br>(क) शिक्षकों ने<br>(ख) सामाजिक कार्यकर्ताओं ने<br>(ग) माता-पिता ने<br>(घ) संतों ने<br>**(vi)आज का मानव स्वार्थपरता में किस तरह आकंठ डूब चुका है?**<br>(क) उसे उचित-अनुचित, नीति-अनीति का भान नहीं हो रहा है। | 6 |

| | | |
|---|---|---|
| | (ख) उसे स्वयं की प्रगति का भान नहीं हो रहा है।<br>(ग) उसे अपने परिवार के बच्चों का ध्यान नहीं हो रहा है।<br>(घ) स्वयं के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं कर पा रहा है। | |
| **2** | **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए –**<br>कवि कुछ ऐसा भाव जगा दो....<br>काँटा मृदुल सुमन बन जाए, उज्ज्वल मन-दर्पण बन जाए ॥<br>जीवन के उपयुक्त मनोहर, वसुधा का कण-कण बन जाए ॥<br>वो देखो हो गई पराई, नवयुवती ले रही विदाई ॥<br>स्वप्न सुनहले उर में जिसके, रह-रह कर लेते अँगड़ाई ॥<br>उसका भी अपना घर होगा, नव पथ सुंदर सुखकर होगा ॥<br>ममता, प्यार, नेह की वर्षा, आँगन करता जलधर होगा ॥<br>यह कैसी आँधी चढ़ आई? जिसने चिंगारी सुलगाई ॥<br>जली दुल्हनियाँ, जलते सपने, मुट्ठीभर बस राख बनाई ॥<br>क्या तन से बढ़कर कंचन है? क्या मन से बढ़कर चिंतन है?<br>द्रव्य नहीं आधार प्यार का, यह तो इक विनम्र अर्पण है ॥<br>कवि कुछ ऐसा भाव जगा दो....<br>हर मस्तक चिंतन बन जाए, पाहन भी कंचन बन जाए ॥<br>कलि से मधुकर नहीं दूर हो, मधुर-मधुर जीवन बन जाए ॥<br>हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, भाई-भाई करें लड़ाई ॥<br>प्रेम-एकता बंधन टूटे, कड़वाहट बढ़ रही बुराई ॥<br>इसने जला दिया गुरुद्वारा, उसका मंदिर टूटा सारा ॥<br>हिली चर्च, मसजिद की ईंटें, फिरे देवता मारा-मारा ॥<br>धर्म नहीं लड़ना सिखलाता, नहीं समझ में इनके आता ॥<br>धर्म परस्पर जुड़ें इस तरह, रवि का किरणों से ज्यूँ नाता ॥<br>लहू एक भगवान एक है, सबमें जीव समान एक है।<br>भाषा, धर्म, रिवाज भिन्न हों, लेकिन हिंदुस्तान एक है।<br>कवि कुछ ऐसा भाव जगा दो....<br>जन-मन द्वेष हवन बन जाए। हर घर प्रेम-भवन बन जाए।<br>उड़े चलें हिंसा के बादल, भीषण वेग पवन बन जाए ॥<br>**(i) कविता का उचित शीर्षक लिखिए।**<br>(क) प्रेम-भवन<br>(ख) कवि की अभिलाषा<br>(ग) मन-दर्पण<br>(घ) एकता<br>**(ii) कवि कैसा भाव जगाना चाहता है?**<br>(क) द्वेष-भाव<br>(ख) संदिग्ध भाव<br>(ग) प्रेमभाव<br>(घ) कोई नहीं<br>**(iii) विदाई के समय नवयुवती क्या सोचती है?**<br>(क) एक सुंदर - सा घर होगा।<br>(ख) जीवन सुखद होगा।<br>(ग) सीमित परिवार होगा।<br>(घ) विकल्प (क) तथा (ख) | **3** |
| **3** | **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें-** | **4** |

| | | |
|---|---|---|
| | यहां तक कि मुंशी जी को न्याय भी अपनी ओर से कुछ खिंचा हुआ दिख पड़ता था। वह न्याय का दरबार था परंतु उसके कर्मचारियों पर पक्षपात का नशा छाया हुआ था ।किंतु पक्षपात और न्याय का क्या मेल ?जहां पक्षपात हो वहां न्याय की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मुकदमा शीघ्र ही समाप्त हो गया डिप्टी मजिस्ट्रेट ने अपनी तजवीज़ में लिखा ,पंडित अलोपीदीन के विरुद्ध दिए गए प्रमाण निर्मूल और भ्रमात्मक हैं। वह एक बड़े भारी आदमी हैं। यह बात कल्पना के बाहर है कि उन्होंने थोड़े लाभ के लिए ऐसा दुस्साहस किया हो।<br><br>**(i) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।**<br>**(ii) मुंशी वंशीधर को क्या लग रहा था ?**<br>**(iii) न्याय के दरबार में क्या हो रहा था ?**<br>**(iv) मुकदमे का क्या परिणाम हुआ ?** | |
| **4** | **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें-**<br>हम तौ एक एक करि जाना, दोइ कहैं तिनहीं कौं दोजग जिन नाहिंन पहिचांनां ॥<br>एकै पवन एक ही पानी एकै जोति समांनां ।<br>एकै खाक गढ़े सब भांडै एकै कोंहरा सांनां ॥<br>जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई। सब घटि अंतरि तूंही व्यापक धरे सरूपै सोई ॥<br>माया देखि के जगत लुभानां काहे रे नर गरबांनां ।<br>निरभै भया कछू नहिं व्यापै कहै कबीर दिवांनां ॥<br><br>**(i) कबीर ने ईश्वर के कितने स्वरूपों को जाना है?**<br>**(ii) कबीर के अनुसार ईश्वर कहां-कहां विद्यमान है?**<br>**(iii) मानव शरीर का निर्माण किन पांच तत्वों से हुआ है?**<br>**(iv) प्रस्तुत पद्यांश से हमें क्या संदेश मिलता है?**<br>**(v) कबीर ने कुम्हार को किसका प्रतीक माना है?** | **5** |
| **5** | **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें-**<br>**(i) लेखक ने नमक का दारोगा पाठ के माध्यम से क्या संदेश दिया है?**<br>**(ii) "लड़कियां हैं वह घास फूस की तरह बढ़ती चली जाती हैं"- वाक्य समाज में लड़कियों की स्थिति की किस वास्तविकता को प्रकट करता है?**<br>**(iii) मियां नसीरुद्दीन को 'नान- बाइयों का मसीहा 'क्यों कहा गया है?**<br>**(iv) मियां नसीरुद्दीन के व्यक्तित्व का चित्रण लेखिका ने कैसे किया है?**<br>**(v) नान बाई किसे कहते हैं यहां किस नानी बाई का वर्णन किया जा रहा है?**<br>**(VI) मीरा जगत को देखकर रोती क्यों है?** | **12** |
| | | **5** |
| | | **4** |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |